Inhaltsverzeichnis

| 50 Jahre »Ruhr-Mark« im Überblick | 18 |
|--|-----|
| Gernot Burgeleit | |
| Streifzüge durch die Vereinsgeschichte | 19 |
| Brigitta Willer | |
| Der Blick nach vorn | 58 |
| | |
| | |
| | |
| Werner Ahrens | |
| »Balver Lüll« färbte das Wappen der Stadt Arnsberg »blau«! | 61 |
| Wie die Blasiusstatue auf den Hochaltar | |
| der Pfarrkirche St. Blasius in Balve kam | 63 |
| Die Zeit | 68 |
| Gernot Burgeleit | |
| Aber die Seele | 69 |
| Drum spring nicht gleich | 70 |
| Eine Todesursuche | 71 |
| Kindheitsbilder | 72 |
| Menschenaffe | 74 |
| Verben | 75 |
| Ich schreibe auch | 76 |
| ten senteroc auch | , 0 |
| Martin Cern | |
| Der Igel | 78 |
| Aus dem Tagebuch einer Reise durch Südafrika (1953). | 80 |
| An einem Regentag | 83 |
| Es kommt mir vor | 88 |
| Kann es sein? | 89 |
| Zugespitzt | 90 |
| Sonett | 91 |
| | |



| Wilfried Diener | |
|----------------------------------|-------|
| Mach das! | . 92 |
| Dein Leben | |
| Auf den märkischen Höhen | |
| Erdbewegung | |
| Aschewolke | |
| Rückfluggedanken | |
| Nehmen und Geben – Ebbe und Flut | |
| Ernst Dossmann | |
| Später Dank | . 109 |
| An der alten Brücke | |
| Meine Kirche | . 118 |
| Lichteffekte | . 120 |
| Wilma Frohne | |
| Der neue Computer | . 122 |
| Velina van der Gaag | |
| Flugstunde | . 126 |
| Jahreszeit | |
| Kosmos | . 128 |
| Lieb dich | . 129 |
| Gerd Gerber | |
| Blickwinkel | . 130 |
| Die goldene Hochzeit | . 136 |
| Annette Gonserowski | |
| Arbeitslos | . 144 |
| Komm mit mir | . 149 |
| Innehalten | . 150 |
| Schau | . 151 |
| Gipsy (Kalligramm) | . 152 |
| Dieter Grotehusmann | |
| Im Lande der Inka | . 154 |

| Ria Haas | | | | | | | | | | | | | |
|----------------------------------|-----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|-----|
| Wenige Stufen | | | | | | | | | | | | | 158 |
| Zwei Stunden Zeit | | | | | | | | | | | | | |
| Mechthild Holthaus | | | | | | | | | | | | | |
| Capriccio | | • | • | • | • | | • | | | | • | • | 161 |
| Irina Jost | | | | | | | | | | | | | |
| Ein neuer Tag | | | | | | | | | | | | | 164 |
| Rivalen | | | | | | | | | | | | | 165 |
| Wandlung | | • | • | • | • | | • | • | • | • | • | • | 166 |
| Claus Karst | | | | | | | | | | | | | |
| Pablo, der Geiger | | • | | | • | | | | | | • | • | 167 |
| Horst Kniese | | | | | | | | | | | | | |
| Ernst Meister und die Hiesiger | ı . | • | | | | | • | • | • | • | | | 174 |
| Hans-Werner Kube | | | | | | | | | | | | | |
| der Weg | | | | | | | | | | | | | 182 |
| entflogen | | | | | | | | | | | | | |
| Herbarium | | | | | | | | | | | | | 183 |
| ich weiß nicht, was Pollen solle | n | | | | | | | | | | | | 184 |
| Streifen | | | | | | | | | | | | | 185 |
| unentwegs unterwegs | | | | | | | | | | | | | |
| Rosemarie Lichte | | | | | | | | | | | | | |
| Streifzüge durch die Türkei . | | | • | | | | | | | | | | 187 |
| Regina Lindemann | | | | | | | | | | | | | |
| Das Leben nur streifen | | • | • | | | • | | | | | | | 193 |
| Alma E. Lück | | | | | | | | | | | | | |
| Neustart des Grüns | | | | | | | | | | | | | 200 |
| Ohne Titel | | | | | | | | | | | | | |
| Luftschlösser | | | | | | | | | | | | | |
| Löwengrube | | | | | | | | | | | | | |

| Karl-Heinz Ohly | |
|--|----|
| Nah- und Fernziele der Bürgerschützen | |
| – Ohne Führung geht es nicht – |)4 |
| Monika Petsos | |
| Mond annähen | 11 |
| Mohnblütenhäutig | 12 |
| Griechischer Hochspannungshimmel 2 | |
| Tageslauf eines südlichen Fensters 2 | |
| Christine Pröger-Plassmann | |
| Herbst | 15 |
| Brigitte Riechelmann | |
| Durch die Service-Wüste | 16 |
| Auf großer Fahrt | |
| Mond der Rosen | |
| Edmund Ruhenstroth | |
| Blasmusik | 24 |
| Mein Body-Maß | 25 |
| Wiegenlied | 26 |
| Der Bücherwurm | |
| Rentners Klage | - |
| Hildegard Schallenberg | |
| Der Taufsprung | 32 |
| Auseinandersetzung | |
| | 34 |
| 0 | 35 |
| Rückschau | - |
| Gedichte in der Form japanischer Kurzlyrik 2 | |
| | 40 |
| Abschied | _ |
| | 40 |

| Theo Schmich |
|---|
| Die Glaswand |
| Ich war eine Kanone |
| Hinter dem Berg |
| Der letzte Wald |
| Vom Feuer des Lebens |
| Renate Schmidt-V. |
| Im Bernstein |
| Hiersein |
| Die Zeit |
| Es gibt Farben |
| Immer wieder |
| Monet |
| Stille Bilder |
| Unkenrufe |
| Ohne Titel |
| Siegfried Welzel |
| Die ideale Frau |
| Im Waldlokal |
| Zur Ritterszeit |
| Urzeit und Liebe |
| Limericks |
| Brigitta Willer |
| Alle Jahre wieder 272 |
| Rekorde |
| Rudi Winkler |
| Die kleine Bank |
| Unsere Stadt |
| Stadtlandschaft |
| Lass es geschehn |
| Die Autorinnen und Autoren der Anthologie 282 |
| Bildernachweis |